VISION IAS

21 NOV 2021

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1512)

Name of Candidate	Puran		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	73273
Center	M. No.	Date	21/11/21

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Persuasion plays an important role in public administration. Discuss. Also highlight the various elements of effective persuasion.

(150 words) 10

लोक प्रशासन में अनुनय-विनय (या समझाना-बुझाना) महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, प्रभावी अनुनय-विनय के विभिन्न तत्वों पर भी प्रकाश डालिए।

अनुनय-विनय एक "अंतरवैयक्तिक कौशल" है जिसके माध्यम से एक व्यक्ति तर्कों या भावनाओं के माध्यम से आग्रह कर दूसरे व्यक्ति को कोई "विशिष्ट कार्य या व्यवहार" करने के लिये प्रेरित करता है।

लोक-प्रशासन में भूमिका :-

1. सरकारी नीतियों का धरातलीय क्रियान्वयन
2. योजनाओं में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करना

उदाहरण → 'स्वच्छ भारत अभियान' प्रधानमंत्री के अनुरोध आमजन का सक्रियता से भाग लेना

3. आमजन को जागरूक करना

↳ उदा. → 'खुले में शौच' न करने संबंधी जागरूकता अभियान

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4.) सामाजिक - सुधार

↳ बाल - विवाह, इत्यादि कुप्रथाओं के विरुद्ध

प्रभावी अनुनय - विनय के तत्व :-

1. रोल - मॉडल से उदाहरण → प्रभावी हो
2. प्रत्यक्ष अनुरोध → सहज, सरल भाषा में
3. अप्रत्यक्ष अनुरोध → चुटकुले, नाटकों द्वारा
4. संप्रेषणीय - क्षमता का अच्छा होना
5. संवाद की क्षमता
6. सटीक तर्क, प्रभावी उदाहरण

इस रूप में लोकप्रशासन के क्षेत्र में प्रशासन एवं आमजन के मध्य सौहार्दपूर्ण संबंधों के निर्माण के 'अनुनय - विनय' एक प्रभावपूर्ण माध्यम है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** "Never do anything against the conscience even if the state demands it." In this context, discuss the role of conscience in taking ethical decisions in administration. **(150 words) 10**

"कभी भी अंतर्रात्मा के विरूद्ध कुछ न कीजिए, भले ही राज्य इसकी माँग करे।" इस संदर्भ में, प्रशासन में नैतिक निर्णय लेने में अंतर्रात्मा की भूमिका की विवेचना कीजिए।

"अंतर्रात्मा अंतिम न्यायालय होता है"

— महात्मा गाँधी

'अंतर्रात्मा' के संबंध में गाँधी का यह कथन दर्शाता है कि नैतिक जीवन में अंतर्रात्मा की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

अंतर्रात्मा से तात्पर्य :-

अंतर्रात्मा से तात्पर्य व्यक्ति की अंतर्निहित नैतिक निर्णय-क्षमता से है, जिसे हम 'विवेक' भी कहते हैं।

प्रशासन में भूमिका :-

1. नैतिक द्वन्द्वों के निराकरण में
2. निजी हित व सार्वजनिक हितों की टकराहट के समाधान में
3. पर्याप्त कानूनों के अभाव में निर्णय निर्धारण में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. "हितों के टकराव" (Conflict of Interest) के संबंध में निर्णय निर्धारण में

हालांकि कई मुद्दे भी :-

---

1. 'अंतरात्मा' का सिद्धांत → सार्वभौमिक नहीं
2. कोई नियामक संस्था नहीं
3. निश्चित नियम एवं तर्क नहीं
4. परिस्थितियों पर निर्भर
5. कई बार कानून विरुद्ध भी
   ↳ उदा. - दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिये ट्रैफिक कानूनों का उल्लंघन

इस रूप में नैतिकता के निर्धारण में 'अंतरात्मा' की आवाज को तभी सुना जाना चाहिये जब राज्य के कानून, संविधान, सामाजिक नियम इत्यादि निर्णय निर्धारण में सहायक न हो।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** Raja Ram Mohan Roy's liberal views on social and religious issues have much relevance in present day India. Discuss. **(150 words) 10**

सामाजिक और धार्मिक मुद्दों पर राजा राम मोहन राय के उदार विचारों की वर्तमान भारत में काफी प्रासंगिकता है। चर्चा कीजिए।

राजा राममोहन राय का जन्म 18 वीं सदी के अंत में बंगाल प्रांत में हुआ, जिन्होंने समाज-सुधार की अलख जगायी।

सामाजिक - धार्मिक मुद्दों पर राजा राममोहन राय के विचार :-

1. सभी धर्मों का सम्मान
2. धर्म के मानवीय पक्षों को समर्थन
3. धर्म की रूढ़िवादी कुरीतियों का त्याग
4. समाज में जातिगत समानता को बढ़ावा
5. लैंगिक समानता को प्रोत्साहन
   - बाल-विवाह व सती-प्रथा के विरुद्ध आंदोलन
   - इन्हीं के प्रयासों से "सती-प्रथा उन्मूलन कानून", 1829 लागू

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान भारत में प्रासंगिकता :-

(1.) सामाजिक कुरीतियों के निराकरण हेतु

↳ बाल-विवाह → कोविड के दौर में वृद्धि

↳ बाल-शोषण → NCRB के अनुसार अपराधों में 200 गुना वृद्धि

(2.) लैंगिक समानता हेतु

↳ महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा (34%) (NFHS-4 सर्वे)

↳ लैंगिक वेतनमान अंतर (34%) - विश्व बैंक

(3.) धार्मिक सौहार्द बढ़ाने में

↳ बढ़ती धार्मिक कट्टरता

↳ हिंदू-मुस्लिम तनाव

↳ दलित-सवर्ण तनाव आदि।

इस रूप में सामाजिक-धार्मिक संदर्भों में आज के भारत में महान समाजसुधारक राजा राममोहन रॉय के विचारों की प्रासंगिकता और बढ़ गयी है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** The moral circle of humanity has been expanding constantly over time. Discuss in this context whether non-human entities should have the same rights as humans beings. **(150 words) 10**

समय के साथ मानवता का नैतिक दायरा निरंतर विस्तृत होता जा रहा है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि क्या गैर-मानव जातियों के मनुष्यों की भांति समान अधिकार होने चाहिए।

प्रायः 'नैतिकता' को हम "सामाजिक मनुष्य" के ऐच्छिक कर्मों के सही-गलत के निर्धारण करने वाले सिद्धांत के रूप में परिभाषित करते हैं।

किंतु वर्तमान में आधुनिक नैतिकता प्रकृति एवं जीव-जन्तुओं को भी अपने दायरे में समेटती है।

गैर-मानव जातियों के अधिकार :-

पक्ष में :-

→ प्राचीन भारतीय दर्शन के अनुरूप

→ 'जैन दर्शन' → प्रकृति के प्रत्येक कण में जीव

→ बौद्ध दर्शन → 'करुणा' → प्रकृति के प्रति भी

→ आधुनिक "पशु अधिकार आंदोलन" (भारत में - पेटा (PETA) संस्था)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ "मानव केवल पृथ्वी की विभिन्न प्रजातियों में से एक" → इसे खुद को नियंता नहीं समझना चाहिये।

→ पर्यावरण-संरक्षण के संदर्भ में

विपक्ष में :-

1. नैतिकता का संबंध → "सामाजिक संदर्भ में"
   ↳ प्रत्यक्ष निदर्शन केवल * मानव समाज में
2. नैतिकता हेतु "बौद्धिक सजगता" आवश्यक
   ↳ कुछ ही जीव बुद्धि-युक्त
3. 'उत्तरजीविता का सिद्धांत' (Survival of the fittest)
   ↳ मानव श्रेष्ठतम प्रजाति

इस रूप में मनुष्य के रूप में हमारा नैतिक दायित्व है मूक जीवों एवं वनस्पति को भी संरक्षण दें, यह हमारे भारतीय दर्शन के साथ ही आधुनिक पर्यावरण-संकट के समाधान की भी दिशा दिखाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण के आपके लिए क्या मायने हैं?

(a) "Each individual is capable of transforming his immediate environment by attempting a radical transformation inside him". – J Krishnamurti

(150 words) 10

"प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर आमूल-चूल परिवर्तन का प्रयास कर अपने समीपवर्ती परिवेश को रूपांतरित करने में सक्षम है।"- जे. कृष्णमूर्ति

"है कौन विघ्न ऐसा जग में
टिक सके आदमी के मग में
खम ठोक ठेलता है जब नर
पर्वत के जाते पाँव उखड़
'मानव' जब जोर लगाता है
पत्थर पानी बन जाता है।"

~ रामधारी सिंह दिनकर

जे. कृष्णमूर्ति का कथन और राष्ट्रकवि दिनकर की ये पंक्तियाँ दोनों ही मानव के अदम्य साहस और संभावनाओं को ज्ञापित करती हैं।

कोई भी व्यक्ति समाज में बड़े से बड़ा बदलाव ला सकता है, बशर्ते वह अपने अंदर बदलाव ला पाये।

ऐसा कर वह अपने सामाजिक परिवेश में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

परिवर्तन ला सकते हैं।

तेलंगाना के एक युवा 'पुल्लिराजु' का उदाहरण यही दिखाता है। पुल्लिराजु ने तेलंगाना में आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवारों की मदद करने का बीड़ा उठाया है। साथ ही आत्महत्या के कारणों की भी पड़ताल करते हैं। इससे किसानों को आर्थिक मुआवजा राशि मिलने में मदद मिली है।

वहीं राजस्थान के 'हिमताराम भांभू' ने अकेले दम पर सैकड़ो बीघा जमीन पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण-संरक्षण का अद्भुत उदाहरण पेश किया है।

ये व्यक्ति दर्शाते हैं कि एक भी व्यक्ति यदि ठान ले तो अपने परिवेश में व्यापक सामाजिक बदलाव ला सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** "True compassion means not only feeling another's pain but also being moved to help relieve it". - Daniel Goleman **(150 words) 10**

"सच्ची सहानुभूति का अर्थ न केवल दूसरों की पीड़ा महसूस करना, अपितु उस पीड़ा से राहत दिलाने में सहायता के लिए आगे बढ़ना भी है।" - डैनियल गोलमैन

आज समाज में व्यापक सामाजिक आर्थिक चुनौतियां विद्यमान है। 'कोविड-19' महामारी ने इनके जोकर को और बढ़ा दिया है। निर्धनता, रोजगार संकट के साथ ही मानसिक अवसाद की घटनाये आम हो चुकी है।

ऐसे में डेनियल गोलमैन की ये पंक्तियां अत्यंत प्रेरणादायी है। अब हमें केवल दूसरों की पीड़ा समझने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आगे बढ़कर अपनी सामर्थ्यानुसार उन्हें दूर करने के प्रयास करने की भी आवश्यकता है।

कोविड-19 के दौर में हमने कई ऐसे व्यक्तियों को देखा जिन्होंने आगे बढ़कर जरूरतमंदों को ऑक्सीजन एवं दवाईयों की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपलब्धता करवाई।

①. नागपुर में 80 वर्ष के एक बुजुर्ग ने युवा मरीज के लिये अपनी जान की परवाह न करते हुये 'बेड' छोड़ दिया।

कितने ही डॉक्टर और नर्स ने जान की बाजी लगाकर मरीजों की जान बचाई।

परानुभूति की ऐसी ही प्रेरणा हमें 'मदर टेरेसा' एवं 'कैलाश सत्यार्थी' के जीवन से भी मिलती है, जिन्होंने मानव-कल्याण हेतु अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया।

अतः एक इंसान के तौर पर हमारा मानवीय दायित्व है कि हम मानव और अन्य मानवेतर जीवों के प्रति संवेदनशील बनकर उनके दुःखों को दूर करने का प्रयास करें।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** An important requisite for ensuring probity in governance is absence of corruption. Analyse. **(150 words) 10**

शासन व्यवस्था में ईमानदारी (प्रोबिटी) सुनिश्चित करने के लिए एक आवश्यक तत्व भ्रष्टाचार का अभाव है। विश्लेषण कीजिए।

ईमानदारी (प्रोबिटी) किसी संस्था में आर्थिक नैतिकता को सुनिश्चित करता है।

यह व्यक्ति के लिये 'सत्यनिष्ठा' के समानार्थी शब्द है, जो संस्थाओं के लिये प्रयुक्त किया जाता है।

निश्चित रूप से भ्रष्टाचार का अभाव शासन व्यवस्था में ईमानदारी सुनिश्चित करता है:।

यदि व्यवस्था में भ्रष्टाचार नहीं होगा तो अधिकारी बिना किसी हस्तक्षेप के अपने कार्यों का निर्वहन सुचारु रूप से कर पायेंगे।

वहीं वे किसी की जवाबदेही के लिये भी तैयार रहेंगे।

इससे शासन में पारदर्शिता बढ़ेगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

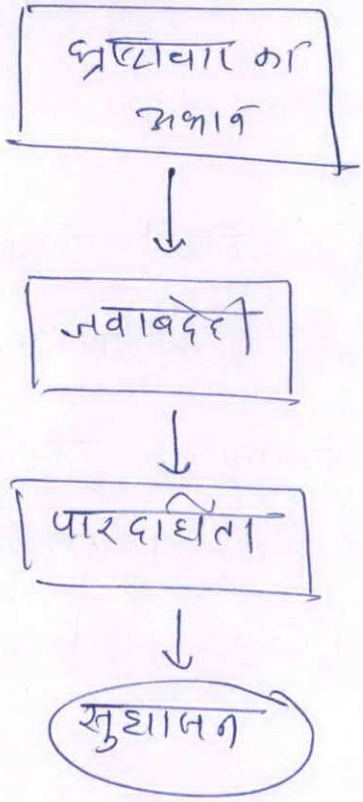

इस रूप में भ्रष्टाचार का अभाव शासन में ईमानदारी का एक आवश्यक तत्व है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) The right to information (RTI) and the right to privacy (RTP) complement each other in holding the government accountable to the people, however, in cases of conflict, they can be reconciled keeping public interest in mind. Discuss. **(150 words) 10**

सूचना का अधिकार (RTI) और निजता का अधिकार (RTP) सरकार को लोगों के प्रति जवाबदेह बनाए रखने में एक-दूसरे के पूरक हैं, तथापि, संघर्ष की स्थिति में, जनहित को ध्यान में रखते हुए उनमें सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। चर्चा कीजिए।

भारतीय संविधान अनुच्छेद 19 के तहत 'राईट टू नो' (जानने का अधिकार) एवं अनुच्छेद 21 के तहत 'निजता का अधिकार' प्रदान करता है।

जवाबदेही बनाये रखने में पूरकता :-

RTI	RTP
• RTI, अधिनियम 2005	• 'पुट्टास्वामी' वाद द्वारा
• पारदर्शिता को बढ़ावा	• निजी जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप पर रोक
• सुशासन हेतु आवश्यक	• नागरिक अधिकारों की रक्षा हेतु आवश्यक
• सरकार पर अंकुश	• सरकार पर अंकुश

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

संघर्ष की स्थिति में :-

→ ● राष्ट्रहित को प्राथमिकता

→ व्यापक जनहित को व्यक्तिगत हितों पर प्राथमिकता

→ राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता

→ सरकार के अनावश्यक एवं राजनीतिक हस्तक्षेप पर रोक हो।

इस रूप में RTI एवं RTP के मध्य सामंजस्य ही राष्ट्र एवं नागरिक हितों को सुनिश्चित करेगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Explain the ethical issues involved in spending government funds for advertisement campaigns and publicity. **(150 words) 10**

विज्ञापन अभियानों और प्रचार के लिए सरकारी धन खर्च करने में शामिल नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

हाल ही में सरकारी विज्ञापनों पर रोक हेतु कई बार न्यायालय में याचिकायें पेश की जाती रही हैं।

निहित नैतिक मुद्दे :

1. सार्वजनिक धन का दुरुपयोग
2. कई राजनैतिक दल का अप्रत्यक्ष प्रचार
3. 'व्यक्ति पूजा' बढ़ाने के लिये भी प्रयोग
4. इस धन को सार्वजनिक हित में व समाज कल्याण के कार्यों में खर्च किया जा सकता है।
5. विज्ञापनों का जागरूकता पर विशेष प्रभाव नहीं दिखता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्योंकि ऐसा पूर्णतया सत्य नहीं :-

1. सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार आवश्यक है।

2. भारत की आम जनता में जागरूकता का अभाव, अतः जागरूकता हेतु विज्ञापन आवश्यक

3. कई विकसित एवं विकासशील देशों में योजनाओं के प्रचार पर सरकारी खर्च होता है।

अतः आवश्यक है कि सरकारी विज्ञापनों का उपयोग योजनाओं की जानकारी देने व जागरूकता बढ़ाने हेतु हो, न कि व्यक्तिगत छवि चमकाने या राजनैतिक लाभ लेने के लिये।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) Explaining the concept of political neutrality, discuss its significance in administration. Also, highlight how the Central Civil Services (Conduct) Rules seek to ensure political neutrality in the civil services.

(150 words) 10

राजनीतिक तटस्थता की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, प्रशासन में इसके महत्व की विवेचना कीजिए। साथ ही, इस बात पर भी प्रकाश डालिए कि कैसे केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली सिविल सेवाओं में राजनीतिक तटस्थता सुनिश्चित करने का प्रयास करती है।

राजनीतिक तटस्था, प्रशासन या लोक सेवाओं का आधारभूत मूल्य है, इसके तात्पर्य है किसी राजनैतिक दल से प्रत्यक्षत: संबंध न होना।

प्रशासन में महत्व :-

1. स्वतंत्र निर्णय लेने में सहायक
2. भ्रष्टाचार पर अंकुश
3. "Rule of law" के सिद्धांत के अनुरूप
4. प्रशासनिक नैतिकता के अनुरूप
5. राजनैतिक दबावों से मुक्त

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली :—

1. राजनैतिक दल का प्रचार करने पर प्रतिबंध
2. राजनैतिक दलों की सभाओं व दलीय बैठकों में भाग लेने पर रोक
3. चुनाव प्रचार में भाग लेने पर रोक
4. किसी दल के प्रति व्यक्तिगत झुकाव की सार्वजनिक उद्घोषणा पर रोक
5. राजनैतिक पद धारण करने पर रोक

अतः केंद्रीय सिविल सेवा आचरण नियमावली यह सुनिश्चित करते हैं कि सिविल सेवक किसी राजनैतिक दल या विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध न होकर 'सिविल सेवा' एवं 'जनसेवा' के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें।

हालांकि सिविल सेवकों को अपनी पसंद के राजनीतिक दल को मतदान का अधिकार प्राप्त है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(a)** In light of the recurring issues, there is a constant need to search for better ethical frameworks and models of corporate governance. Discuss with adequate examples and evidence in support of your arguments.

(150 words) 10

आवर्ती मुद्दों के आलोक में, कॉर्पोरेट शासन के बेहतर नैतिक ढांचे और मॉडलों की खोज करने की निरंतर आवश्यकता है। अपने तर्कों के समर्थन में यथोचित उदाहरणों और साक्ष्यों के साथ विवेचना कीजिए।

"कॉर्पोरेट शासन", निजी कार्पोरेट संस्थानों में सांस्थानिक शुचिता को सुनिश्चित करता है एवं भ्रष्टाचार व घोटालों की गुंजाईश को कम करता है।

बेहतर नैतिक ढाँचे की आवश्यकता क्यों—

1. कार्पोरेट घोटालों में वृद्धि → सत्यम घोटाला, हर्षद मेहता घोटाला।
2. व्यवसायिक नैतिकता में कमी → कोविड-जैसे में कालाबाजारी।
3. 'हितों का टकराव' → 'चंदा कोचर' मामला
4. विभिन्न भ्रष्टाचार एवं अनियमितताएं → विजय माल्या, नीरव मोदी आदि द्वारा भ्रष्ट आचरण।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपाय :-

1. @ 2nd ARC के सुझावानुसार 'नैतिक समितियों' का गठन → कार्पोरेट्स में भी हो।
2. 'कोर्ट समिति' की सिफारिशों को अक्षरशः लागू किया जाये।
3. कंपनी बोर्ड में 'स्वतंत्र निदेशकों' की संख्या बढ़ाकर उन्हें वित्तीय स्वायत्तता एवं लाभ का प्रावधान किया जाये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** Gender inequality begins at home and then gets institutionalised at the societal level. Discuss. **(150 words) 10**

लैंगिक असमानता घर से शुरू होती है और फिर सामाजिक स्तर पर संस्थागत हो जाती है। चर्चा कीजिए।

लैंगिक असमानता सूचकांक (विश्व आर्थिक मंच) में भारत की रैंकिंग 156 देशों में से 140 वीं है।

यह दिखाता है कि भारत में ~~भारत~~ स्त्री-पुरुष अधिकारों में किस हद तक अंतर है।

अक्सर हम यह अंतर अपने घरों में ही देखते हैं।

चाहे नये कपड़ों की बात हो या अच्छे खाने की, हमेशा ही लड़कों को प्राथमिकता दी जाती है।

यही नहीं, घरेलू काम के मामले में तो इसे सदैव 'लड़की' का ही "दायित्व" समझ लिया जाता है।

यहीं 'पुरुष श्रेष्ठता' की ग्रंथि का विकास आरंभ हो जाता है जो आगे

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चलकर "पितृसत्तात्मक समाज" की इमारत बनता है।

शिक्षा के मामले में भी कमोबेश यही हाल है। यदि घर में बहन बड़ी है, तो छोटे भाई की देखभाल से लेकर स्कूल छोड़ने तक सारी जिम्मेदारी 'लड़की' के कँधों पर आ जाती है।

यह तथ्य भारत में साक्षरता दर में भी देखा जा सकता है जब पुरुष साक्षरता दर 82% है, वहीं महिला साक्षरता दर मात्र 65% है।

अतः आवश्यकता है कि स्त्री-पुरुष समान अधिकारों की शुरुआत 'घर' से ही की जाये।
बालक-बालिका दोनों के 'बालमन' में समानता के बीज बोये जायें, ताकि आगे चलकर ये ही बालक-बालिकायें एक 'समान अधिकारों' वाले समाज का निर्माण करें।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(c)** Stakeholder Capitalism is suggested as a way forward in wake of social, economic and environment challenges posed by Shareholder Capitalism. Examine the relevant arguments in this debate. **(150 words) 10**

हितधारक पूँजीवाद को शेयरधारक पूँजीवाद द्वारा उत्पन्न की गई सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के मद्देनजर आगे की राह के रूप में सुझाया जाता है। इस वाद-विवाद से जुड़े तर्कों का परीक्षण कीजिए।

'हितधारक पूँजीवाद' व शेयरधारक 'पूँजीवाद', पूँजीवाद के ही दो स्वरूप हैं।

'हितधारक पूँजीवाद' से तात्पर्य है, 'पूँजीवाद के प्रभावों से प्रभावित होने वाले समस्त कारक'

वहीं 'शेयर धारक पूँजीवाद' → केवल जिन्होंने अपनी पूँजी का निवेश किया है, उनको चिंता करता है।

पर्यावरणीय चुनौती के संदर्भ में :

हितधारक	शेयरधारक
1. व्यापक हितों की रक्षा	• केवल पूँजी लगाने वालों की चिंता
2. प्रकृति, जीव जंतुओं का संरक्षण	• केवल मानवों का हित संरक्षण

हित धारक	दोषर धारक
3. संधारणीय विकास की संकल्पना के अनुरूप	• विकास की संकीर्ण अवधारणा।
4. समाज के वंचित समुदायों, निर्धनों के हितों की रक्षा	• प्रायः नजरअंदाज करता है।
5. वनवासी समुदायों के वन-अधिकारों का संरक्षण	• उदासीन रवैया, यहाँ तक कई बार वनवासियों का अधिकारों पर अतिक्रमण

इस रूप में पर्यावरणीय संधारणीय विकास हेतु 'हितधारक पूंजीवाद' भावी समाधान की दिशा दिखाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. Mr. X is a renowned Architect. He receives a contract of Rs. 500 crores to design and lead a building project that would not only be an architectural landmark but also involves engineering challenges the solutions for which would change the industry. The building would house the headquarters of a successful company Fictitious Corp. Its chairman, Mr. Y is renowned for his acumen as well as temper. After spending time on the drawing board, Mr. X comes up with an innovative design which in itself is a masterpiece. His office had to lay out the plan and then coordinate with the engineering firms to execute it to perfection. The building is constructed in record time and is praised for its ingenuity and the experts also look at it as an engineering milestone.

After six months of its construction, Ms. Z, a doctoral student of mathematics, visits the building for her work on structural engineering calculations. She has immense respect for Mr. X's work. However, she finds that her calculations do not satisfy the requirements of structural integrity for which the building has been widely hailed. She realizes that the building's structure has a deficiency based on the bolted beams used for structural support; this was inadequate if the impact of vertical winds on the building is taken into account. It not only created a threat for the building and its occupants but also the buildings and people nearby.

Mr. X is informed of these calculations by the student and her supervisor. However, Mr. X, meticulous as he is, has confidence on his work and detailed design. He looks at the issue seriously and spends time on the design. He indeed finds no flaw in his design and also notes that his design entails the use of welded rather than bolted beams. At the time he is negotiating the construction of another building where the issue of welded versus bolted metal beams is a sticking point. Mr. X. prefers welded beams as they are twice as strong as the requirements are. However, the engineering firm responsible for actual construction job and procuring the steel beams points out that double bolted beams are strong enough to meet the requirement, are cost effective and also fulfill the building code requirements. After the meeting Mr. X visits the Fictitious Corp building, and to his horror he realizes that bolted rather than welded beams have been used in the construction of the building. He asks for the design that his office has used after final approval. He notices that indeed the final designs show the use of bolted beams. These beams are classified as trusses which do meet the regulatory requirements but not the structural capacity as envisaged by Mr. X initially. He further enquires and is told that the engineering firm responsible for construction work had also given similar arguments about the sufficiency, cost effectiveness and regulatory

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

compliance of the bolted beams, which were accepted, and final design was passed by the buildings department. Mr. X goes into isolation and looks at the final building blueprint and compares it with the original. He quickly identifies the repercussions; the city faces a strong cyclone once in 16 years on an average. If such a cyclone was to hit, the building would sway and may collapse on the nearby buildings. He visits the building in the night again and realizes that a relatively small intervention on the 30th floor would resolve the issue. However, this would mean approaching the Fictitious Corp leadership and new construction approvals from the buildings department. It entails an almost certain risk of litigation and his license for practicing structural engineering being revoked.

(a) Identify the most pressing issues? Which ones would you address on priority?

(b) What would be your advice to Mr. X and Mr. Y.? Also, sufficiently clarify the reasons for such an advice. **(20)**

श्री X एक प्रसिद्ध वास्तुकार हैं। उन्हें एक भवन परियोजना को अभिकल्पित (डिजाइन) करने और उस कार्य पर आगे बढ़ने के लिए 500 करोड़ रुपये का एक अनुबंध प्राप्त हुआ है, जो न केवल वास्तुकला की दृष्टि से एक मील का पत्थर सिद्ध होगा, अपितु उसमें अभियांत्रिकी संबंधी चुनौतियाँ भी शामिल हैं, जिसका समाधान इस उद्योग की रूपरेखा को बदलकर रख देगा। यह भवन एक सफल कंपनी फिक्शियस कॉर्प का मुख्यालय बनेगा। इसके अध्यक्ष श्री Y अपनी कुशाग्रता के साथ-साथ गुस्से के लिए भी प्रसिद्ध हैं। ड्राइंग बोर्ड पर कुछ समय बिताने के बाद, श्री X को एक अभिनव डिजाइन सूझती है जो अपने आप में एक उत्कृष्ट कार्य है। उनके कार्यालय को योजना निर्माण और फिर इंजीनियरिंग फर्मों के साथ समन्वय करना था ताकि इसे पूर्णता तक निष्पादित किया जा सके। भवन का रिकॉर्ड समय में निर्माण किया जाता है और उसकी सरलता के लिए उसकी प्रशंसा की जाती है तथा विशेषज्ञ भी इसे इंजीनियरिंग सबंधी एक उपलब्धि के रूप में देखते हैं।

इसके निर्माण के छह महीने बाद, गणित में डॉक्टरेट करने वाली एक छात्रा सुश्री Z संरचनात्मक इंजीनियरिंग गणना पर अपने काम के लिए इस भवन का दौरा करती हैं। उनके मन में श्री X के काम के प्रति बहुत सम्मान है। हालांकि, वह पाती हैं कि उनकी गणना संरचनात्मक अखंडता की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती है जिसके लिए भवन की व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है। वह अनुभव करती हैं कि भवन की संरचना में कमी है जो संरचनात्मक सहारे के लिए प्रयुक्त बोल्टयुक्त बीम पर आधारित है; यदि भवन पर ऊर्ध्वाधर पवनों के प्रभाव को ध्यान में रखा जाए तो यह अपर्याप्त है। यह न केवल भवन और उसमें रहने वालों के लिए खतरा पैदा करता है बल्कि आसपास के भवनों और उनमें रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा पैदा करता है।

छात्रा और उसके पर्यवेक्षक द्वारा श्री X को इन गणनाओं के बारे में सूचित किया जाता है। हालांकि, श्री X को अपने काम और विस्तृत डिजाइन पर विश्वास है। फिर भी, वह इस मुद्दे को गंभीरता से देखते हैं और डिजाइन पर पुनर्विचार के लिए पुनः समय देते हैं। वह वास्तव में अपनी डिजाइन में कोई दोष नहीं पाते हैं और यह भी ध्यान देते हैं कि उनके डिजाइन में बोल्टयुक्त बीम के बजाय वेल्डेड बीम का अपरिहार्य उपयोग किया गया है। उस समय वह एक

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

और भवन के निर्माण कार्य पर आगे बढ़ रहे थे, जिसमें वेल्डेड बनाम बोल्टयुक्त धातु की बीम का मुद्दा पेंच फंसाए हुए था। श्री X वेल्डेड बीम पसंद करते थे क्योंकि वेल्डेड बीमें आवश्यकता जितनी मजबूत होती हैं। हालांकि, वास्तविक निर्माण कार्य और इस्पात की बीम की खरीद के लिए जिम्मेदार इंजीनियरिंग फर्म कहती है कि डबल बोल्टयुक्त बीमें आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त मजबूत और लागत प्रभावी होती हैं तथा साथ ही भवन-निर्माण संहिता की आवश्यकताओं को भी पूरा करती हैं। बैठक के बाद श्री X फिक्शियस कॉर्प के भवन का दौरा करते हैं और उन्हें अनुभव होता है कि भवन के निर्माण में वेल्डेड के बजाय बोल्टयुक्त बीम का उपयोग किया गया है। श्री X वह डिजाइन माँगते हैं जिसका उनके कार्यालय ने अंतिम अनुमोदन के बाद उपयोग किया था। वह पाते हैं कि वास्तव में अंतिम डिजाइन में भी बोल्टयुक्त बीम का उपयोग हुआ है। इन बीमों को टेक के रूप में वर्गीकृत किया गया था जो विनियामकीय आवश्यकताओं को तो पूरा करती हैं लेकिन संरचनात्मक क्षमता को नहीं जैसा कि शुरू में श्री X द्वारा परिकल्पना की गई थी। वह आगे पूछताछ करते हैं और उन्हें बताया जाता है कि निर्माण कार्य के लिए जिम्मेदार इंजीनियरिंग फर्म ने भी बोल्टयुक्त बीम की पर्याप्तता, लागत प्रभावशीलता और नियामकीय अनुपालन के बारे में भी इसी तरह के तर्क दिए थे, जिन्हें स्वीकार किया गया था तथा भवन विभाग द्वारा अंतिम डिजाइन को पास किया गया था। श्री X एकांत में चले जाते हैं तथा भवन के अंतिम निर्माण ब्लूप्रिंट पर नजर डालते हैं और इसकी मूल डिजाइन के साथ तुलना करते हैं। उन्हें जल्दी ही दूरगामी परिणाम के बारे में पता चल जाता है; शहर को औसतन 16 वर्ष में एक बार प्रबल चक्रवात का सामना करना पड़ता है। अगर भविष्य में इस तरह का चक्रवात भवन से टकराता है तो भवन हिल जाएगा और आसपास के भवनों पर गिर सकता है। वह रात में फिर से भवन का दौरा करते हैं और अनुभव करते हैं कि 30वीं मंजिल पर एक अपेक्षाकृत छोटा सा हस्तक्षेप इस समस्या का समाधान कर देगा। हालांकि, इसका मतलब फिक्शियस कॉर्प के नेतृत्व से संपर्क करना और भवन-निर्माण विभाग से नया निर्माण अनुमोदन प्राप्त करना होगा। यह मुकदमेबाजी का लगभग निश्चित जोखिम अपरिहार्य बनाता है और संरचनात्मक इंजीनियरिंग की प्रैक्टिस करने का उनका लाइसेंस वापस ले लिया जाएगा।

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित सर्वाधिक अहम मुद्दों की पहचान कीजिए? आप प्राथमिकता के आधार पर किसे संबोधित करेंगे?

(b) श्री X और श्री Y को आपकी क्या सलाह होगी? साथ ही, पर्याप्त रूप से इस तरह की सलाह के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

उपरोक्त केस स्टडी में भवन निर्माण के तकनीकी पहलुओं के साथ मुख्य रूप से "सार्वजनिक क्षेत्र में नैतिकता" तथा "व्यवसायिक हित" बनाम "सार्वजनिक हित" के द्वन्द्व पर चर्चा की गयी है।

प्रमुख हितधारक :-

(a) निहित नैतिक मुद्दे (सर्वाधिक अहम मुद्दे):

1.) तकनीकी दक्षता व कार्यकुशलता का मुद्दा

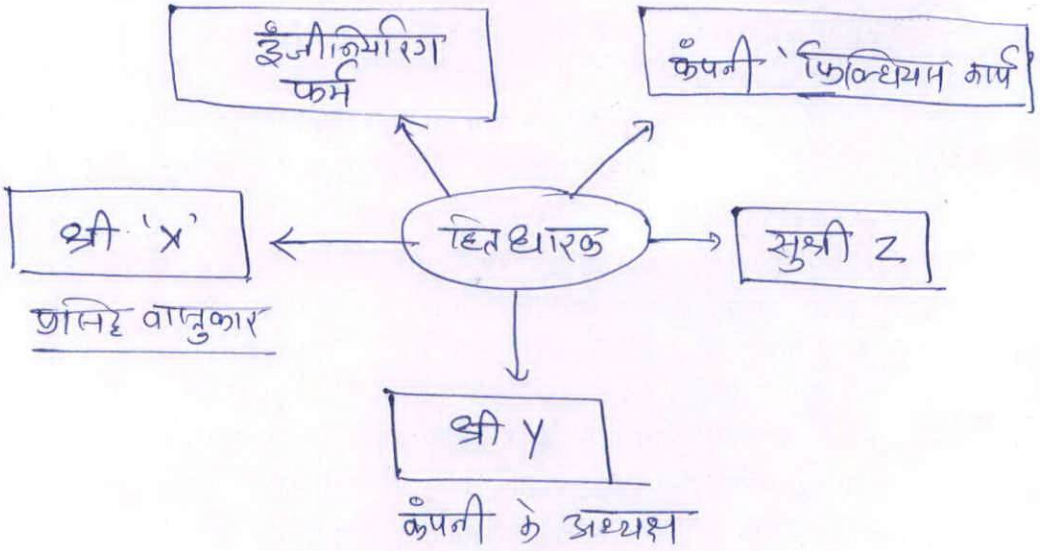

2.) सार्वजनिक हित बनाम व्यवसायिक हित

↳ सार्वजनिक हित → चक्रवात की स्थिति में भवन के गिरने से होने वाला नुकसान

↳ व्यवसायिक हित → नवीन निर्माण हेतु अनुमोदन प्राप्त करने में मुकदमेबाजी का भय

इस संबंध में "सार्वजनिक हित" को प्राथमिकता देते हुये आकलन की सुरक्षा सुनिश्चित करूंगा)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b.) श्री x व श्री y को सलाह :-

(i) श्री x को सलाह :-

→ कि वे सार्वजनिक हित को प्राथमिकता दें तथा चक्रवात से होने वाले नुकसान से बचने हेतु 'फिक्स्चर्स कॉर्प' से संपर्क करने के साथ ही 'भवन-निर्माण' विभाग से इसका अनुमोदन प्राप्त करें।

→ 30 वीं मंजिल पर छोटा सा हस्तक्षेप संपूर्ण समस्या का समाधान कर देगा अतः बिना मुकदमेबाजी की परवाह किये तथ्यों से कंपनी को अवगत कराने पर कंपनी भी उनके प्रस्ताव को निश्चित रूप से स्वीकार करेगी।

→ इस रूप में अगर व्यवसायिक हानि भी हो रही है, तो इसे स्वीकार कर आमजन का हित व सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिये।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) श्री Y को सलाह :

चूँकि श्री X द्वारा डिजाईन संबंधी चूक इरादतन न होकर तकनीकी है, अतः उन्हें सुधार का मौका देकर दीर्घकालीन सुरक्षा को सुनिश्चित करने देना चाहिये।

इसी में श्री X, श्री Y, कंपनी का तथा सार्वजनिक जान-माल की सुरक्षा निहित है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. In a recent survey around social and economic indicators, a certain state in the country was found grossly underperforming. The state is marred with the issues of poverty, hunger, social backwardness, lawlessness and underdevelopment. In about seven decades since gaining independence, this state has continued to perform poorly across various indices. In the past, the Chief Minister had set up a fact finding Committee to report on the chief causes of the backwardness of the State. After years of ground research and surveying, it was found that the one of the main causes of the state's backwardness was its huge population that amplified resource scarcity to unimaginable proportions. Taking a clue from the facts presented in the report, the State Cabinet constitutes a panel of policy makers to consider this question of growing population and suggest suitable revisions to the State's Population Policy. The Panel recommends legislating a Population Control Bill that has a contentious provision in the form of 'One Child' norm. You are the Chief of this Panel and the recommendations of the Panel require your approval to be tabled in the Chief Minister's Office.

In this context, answer the following questions:

(a) What are the ethical issues related to population control of a compulsory nature that you would consider before approving or rejecting the recommendation?

(b) What would be your course of action in the aforementioned case? Suggest reasons for the same. **(20)**

सामाजिक और आर्थिक संकेतकों के इर्द-गिर्द एक हालिया सर्वेक्षण में, देश में एक राज्य को बुरी तरह से आशा से कम प्रदर्शन करते हुए पाया गया। यह राज्य गरीबी, हंगर (भुखमरी), सामाजिक पिछड़ेपन, अराजकता और अल्पविकास की समस्याओं से ग्रसित है। स्वतंत्रता मिलने के बाद से करीब सात दशकों में यह राज्य विभिन्न सूचकांकों पर खराब प्रदर्शन करता आ रहा है। अतीत में, इस राज्य के मुख्यमंत्री ने राज्य के पिछड़ेपन के मुख्य कारणों पर रिपोर्ट देने के लिए एक तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया था। वर्षों के जमीनी अनुसंधान और सर्वेक्षण के बाद, यह पाया गया कि राज्य के पिछड़ेपन का एक मुख्य कारण इसकी विशाल जनसंख्या है जिसने अकल्पनीय अनुपात में संसाधनों की कमी को बढ़ाया है। रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए तथ्यों से सुझाव लेते हुए, राज्य मंत्रिमंडल ने बढ़ती जनसंख्या के इस प्रश्न पर विचार करने और राज्य की जनसंख्या नीति में उपयुक्त संशोधन का सुझाव देने के लिए नीति-निर्माताओं का एक पैनल गठित किया। पैनल ने जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की अनुशंसा की है जिसमें 'एक बच्चे' के मानदंड के रूप में एक विवादास्पद प्रावधान है। आप इस पैनल के प्रमुख हैं और पैनल की अनुशंसाओं को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए आपके अनुमोदन की आवश्यकता है।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अनिवार्य प्रकृति के जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित वे नैतिक मुद्दे क्या हैं जिन पर आप अनुशंसा को अनुमोदित करने या अस्वीकार करने से पहले विचार करेंगे?

(b) उपर्युक्त मामले में आपकी क्या कार्रवाई होगी? इसका कारण बताएँ।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त केस स्टडी "मानव विकास" एवं "जनसंख्या-संवृद्धि" के मध्य विरोधाभासी संबंधों के संदर्भ में चर्चा करती है।

प्रमुख हितधारक :-

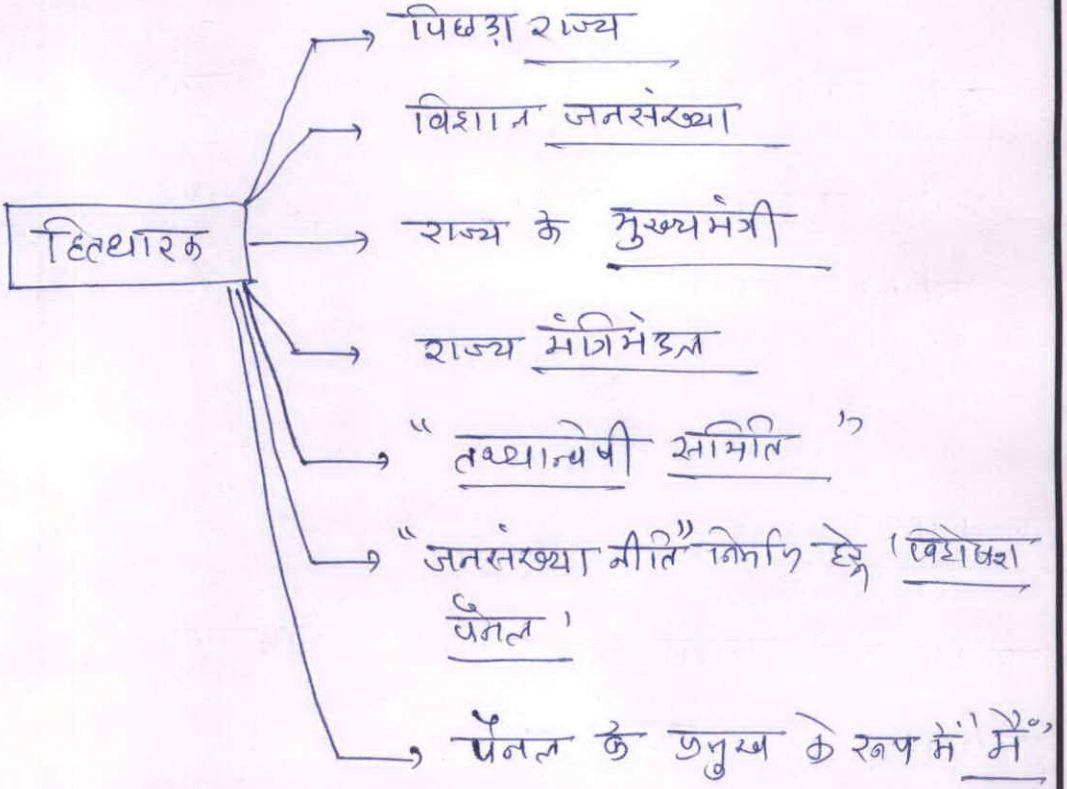

(a) **जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित नैतिक मुद्दे :-**

→ "अनिवार्य प्रावधान" का सामाजिक प्रभाव

→ विशेषतः समाज के अलग-अलग प्रभावों का विश्लेषण।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ "पारंपरिक या धार्मिक विश्वास" (बनाम) "कानून"

→ 'मुद्दे' का राजनीतिकरण → वोटबैंक ध्रुवीकरण संबंधी राजनीतिक सोच न हो

→ दिव्यांग संतानों के अभिभावकों की दुविधा के संबंध में विचार

→ 'गोद लिये गये' व 'सरोगेसी' संबंधित नवीन मुद्दों के संबंध में भी व्यापक विचार-विमर्श

(b.) कार्यवाही :-

· राज्य का सामाजिक-आर्थिक पिछड़ापन मौलिक रूप से चिंताजनक है।

'जनसंख्या विस्फोट' के कारण संसाधनों का पर्याप्त वितरण नहीं हो पाता है जिससे दीर्घकाल में राज्य के व्यक्ति निवासी का अहित होता है।

अतः 'जनसंख्या-नियंत्रण' की नीति की आवश्यकता को देखते हुये

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरा मत होगा कि एक व्यापक एवं समग्र दृष्टिकोण वाली जनसंख्या-नीति बने, जो संसाधनों का उचित वितरण सुनिश्चित करने के साथ ही, आमजन की शंकाओं एवं दुराग्रहों का भी समाधान करे।

"एक बच्चे" की बाध्यपूर्ण नीति कहीं न कहीं मुद्दे का समाधान प्रयास करने का प्रयास करती है। किंतु निर्माण के समय हमें राज्य की सामाजिक, धार्मिक व आर्थिक मान्यताओं पर भी विचार करने की आवश्यकता पड़ती है।

ऐसे में संभावना है कि 'एक बच्चे' की बाध्यकारी नीति भारतीय समाज में कई धार्मिक-सामाजिक प्रश्नों को खड़ा करेगी।

अतः व्यवहारिक आधार पर पैनल के प्रमुख के रूप में मेरी कार्यवाही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

रहेगी कि बाध्यकारी प्रतिबंध व्यापक न होकर कुछ प्रमुख क्षेत्रों तक सीमित हो जैसे - नौकरी पाने हेतु या चुनाव लड़ने हेतु इत्यादि।

साथ ही अन्य सरकारी योजनाओं या सुविधाओं के संबंध में ऐसे प्रावधान का सुझाव दूंगा।

वहीं जनसंख्या-नीति का फोकस आमजनता को जनसंख्या वृद्धि के खतरों से अवगत करवाने व व्यापक जन-जागरूकता पर हो, विशेषरूप से महिलाओं को गर्भ निरोधकों सहित अन्य "जनसंख्या नियंत्रण उपायों" के संबंध में जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम चलाने का ~~प्रयास करेगा~~। सुझाव सरकार को दूंगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are working as a Divisional Forest Officer in an area which is home to tigers. Recently, there have been reports of a tiger venturing into agricultural fields and also killing livestock of villagers. Unfortunately, 2-3 villagers have been killed by some wild animals in last few weeks. Villagers claim that the tiger has killed their fellow villagers and request you to protect their lives and property by either relocating or killing the man-eater tiger. They also obstructed investigation of forest officials to ascertain whether it was the work of tiger or some other animals. Your attempts to trap the tiger have not been successful. Concerned over the delay in killing or relocating the tiger, villagers hire a private hunter to kill the tiger on their own and argue that they have a right to defend themselves and their property. In this context, answer the following questions:

(a) Identify the issues involved in this scenario.

(b) What steps would you take as the Divisional Forest Officer to ensure villagers' safety along with protection of tigers? **(20)**

आप एक ऐसे क्षेत्र में मंडल वन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं जो बाघों का निवास स्थल है। हाल ही में, खेतों में एक बाघ के घुसने और ग्रामीणों के पशुधन को नुकसान पहुँचने की खबरें आई हैं। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ हफ्तों में कुछ जंगली जानवरों द्वारा 2-3 ग्रामीणों को मार डाला गया। ग्रामीणों का दावा है कि एक बाघ ने उनके साथी ग्रामीणों को मारा है और आपसे अनुरोध किया गया है कि या तो उस आदमखोर बाघ को स्थानांतरित करके या मार कर उनके जीवन और संपत्ति की रक्षा करें। उन्होंने यह पता लगाने के लिए वन अधिकारियों की जाँच में भी बाधा डाली कि यह बाघ का काम है या कुछ अन्य जानवरों का। बाघ को फंसाने या पकड़ने की आपकी कोशिशें सफल नहीं रही हैं। बाघ को मारने या स्थानांतरित करने में देरी से चिंतित होकर ग्रामीणों ने अपने दम पर बाघ को मारने के लिए एक निजी शिकारी की सेवाएँ ली हैं तथा उनका तर्क है कि उन्हें अपनी और अपनी संपत्ति की सुरक्षा करने का अधिकार है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस परिदृश्य में शामिल मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) बाघों की सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक मंडल वन अधिकारी के रूप में आप क्या कदम उठाएंगे?

प्रस्तुत केस स्टडी में 'मानव-वन्यजीव' संघर्ष के अद्यतन मुद्दे पर चर्चा की गयी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रमुख हितधारक :-

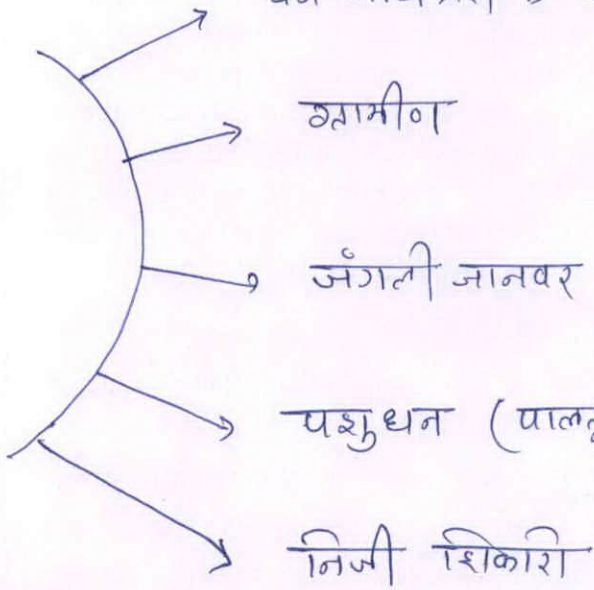

(a) प्रमुख मुद्दे :-

1.) मानव - वन्यजीव संघर्ष का मुद्दा

2.) वन्यजीव संरक्षण (बनाम) मानव / पशुधन संरक्षण

3.) ग्रामीणों के जीवन व संपत्ति का अधिकार

4.) वन्य जीवों के स्वतंत्र विचरण एवं भोजन का अधिकार

5.) वन - अधिकारी के रूप में मेरे पेशेवर

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कर्तव्य एवं नैतिक दायित्व

(b) संभाव्य आगे कदम :-

मानव - वन्यजीव संघर्ष आज एक व्यापक मुद्दा बन चुका है।

वन्यक्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप के फलस्वरूप यह संघर्ष निरंतर बढ़ता जा रहा है।

ऐसे में एक वन अधिकारी के रूप में मैं निम्नलिखित कदम उठाऊँगा :-

(1.) सर्वप्रथम सरकारी कानून के अनुसार 'निजी शिकारी' को सेवा लेना गैर-कानूनी मत; इस पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करूंगा।

(2.) वहीं ग्रामीणों की वास्तविक समस्याओं के समाधान हेतु ग्रामीण के साथ बैठकर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

संवाद स्थापित कर "साझा हल" निकालने का प्रयास करूँगा।

(3.) वनकर्मियों के एक स्थानीय विशेषज्ञों का दल गठित कर मानव व पशु हत्याओं के पीछे शिकारी जंगली जानवर का पता लगाने का प्रयास करूँगा, ताकि समाधान की दिशा तय हो सके।

(4.) साथ ही ग्रामीणों एवं पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पर्याप्त प्रबंध करूँगा।

(5.) यदि जाँच में वाकई किसी आदमखोर जानवर या बाघ के सबूत मिलते हैं, तो प्रयास करूँगा कि वन कर्मियों के विशेषज्ञ दल के साथ ज़िंदा जानवर को पकड़ पायें तथा उसे आबादी से दूर सुरक्षित क्षेत्र या संरक्षित क्षेत्र में छोड़ दिया जाये।

↳ जहाँ तक हो वन्यजीव को मारने की नौबत न आ पाये।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6.) वहीं दीर्घकालीन समाधान के रूप में मेरा प्रयास रहेगा कि वनक्षेत्र में वन्यजीवों के स्वतंत्र विचरण हेतु 'वन्यजीव कॉरीडोर' का विकास हो।

(7.) आबादी क्षेत्र में "तारबंदी" एवं अन्य उपायों द्वारा सुरक्षा सुनिश्चित हो।

मानव-वन्यजीव के संबंधों को अर्थ सौहार्दपूर्ण बनाने की आवश्यकता है। महाराष्ट्र में 'वरली' जनजाति एवं 'तेंदुओं' के मध्य सौहार्दपूर्ण संबंध है, जो निश्चित रूप से प्रेरणादायी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are a District Magistrate of an area which has seen a huge surge in COVID-19 cases during the second wave of pandemic in India. The health infrastructure is already overburdened. Hospitals are overwhelmed, crematoriums and burial sites are regularly running out of space, and covid testing is struggling to meet the demand. Also, the vaccination drive is at the risk of going off-track due to the demand-supply mismatch. During this difficult time, you come to know that there are some people who are engaging in black marketing, hoarding and profiteering by using every trick in the book to cheat, ransom and swindle Covid-19 patients and their kin in the name of scarcity of drugs, oxygen and hospital beds.

Black marketing, hoarding and profiteering are a classic case of market failure, which highlights the significance of state intervention in a crisis situation. How can state effectively play the role of a regulator as well as service provider in such cases of market failure? **20**

आप एक ऐसे क्षेत्र के जिलाधिकारी हैं जिसने भारत में महामारी की दूसरी लहर के दौरान कोविड-19 के मामलों में भारी वृद्धि देखी। स्वास्थ्य अवसंरचना पर पहले से ही अधिक बोझ है। अस्पतालों में भीड़ लगी है, शवदाहगृहों और शवाधान स्थलों में नियमित रूप से जगह की कमी चल रही है तथा कोविड की जाँच संबंधी माँग पूरी नहीं हो पा रही है। साथ ही, माँग-आपूर्ति असंतुलन के कारण टीकाकरण अभियान का पटरी से उतरने का खतरा बना हुआ है। इस कठिन समय में, आपको पता चलता है कि कुछ लोग दवाओं, ऑक्सीजन और अस्पताल में बिस्तर की कमी के नाम पर कोविड-19 के रोगियों एवं उनके परिजनों को ठगने के लिए धोखा देने, धन ऐंठने और अन्य तरीकों से भी जालसाजी करने हेतु कालाबाजारी, जमाखोरी व मुनाफाखोरी में लिप्त हैं।

कालाबाजारी, जमाखोरी व मुनाफाखोरी बाजार की विफलता का एक आदर्श उदाहरण है, जो संकट की स्थिति में राज्य के हस्तक्षेप के महत्व को रेखांकित करता है। बाजार की विफलता के ऐसे मामलों में राज्य प्रभावी ढंग से कैसे विनियामक होने के साथ-साथ सेवा प्रदाता की भी भूमिका निभा सकता है?

हाल में 'कोविड-19' की महामारी के दौरान कालाबाजारी एवं मुनाफाखोरी की घटनायें सामने आयी थी। यह केस स्टडी इसी मुद्दे पर चर्चा करती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रमुख हितधारक :-

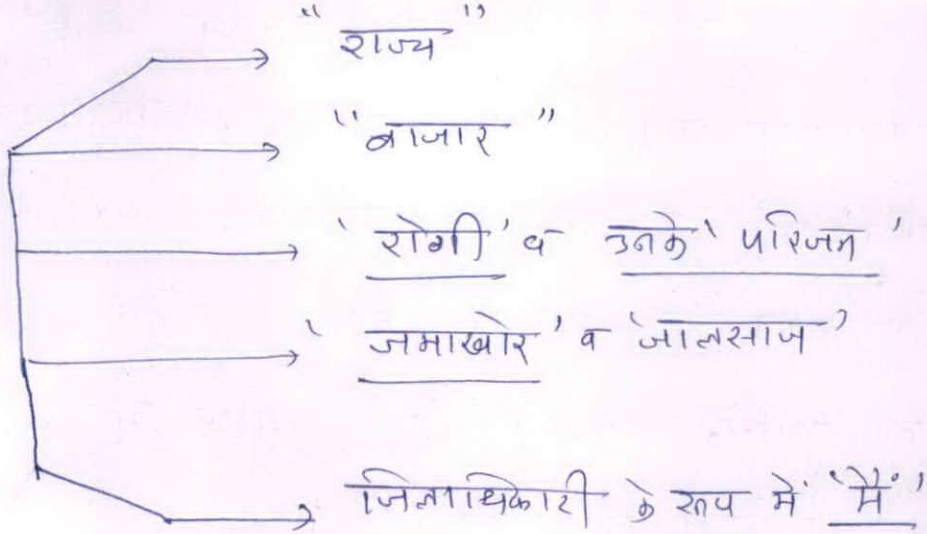

निहित नैतिक मुद्दे :-

- व्यवसायके हित बनाम सार्वजनके हित
- कानून का उल्लंघन
- मानवीय मूल्यों का ह्रास
- पूँजीवाद बनाम नैतिकता

कोविड-19 महामारी संपूर्ण मानवता पर एक बड़ा संकट था। ऐसे समय में जब सरकार, प्रशासन के रूप में हम, चिकित्साकर्मी इत्यादि सभी

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आमजन की जान बचाने हेतु भरसक प्रयास कर रहे हैं। ऐसे समय में स्वार्थवश एवं आर्थिक लाभ के लालचवश जीवनरक्षक उपायों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी कर न केवल कानून का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि मानवता का भी गला घोंट रहे हैं।

जमाखोरी एवं कालाबाजारी निश्चित रूप से राज्य को आर्थिक नुकसान पहुँचाने के साथ ही भारत जैसे कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को भी चोट पहुँचाते हैं।

भारत में कालाबाजारी एवं जमाखोरी रोकने हेतु व्यापक कानून एवं विनियम हैं। "आवश्यक वस्तु अधिनियम" ऐसा ही कानून जो कालाबाजारी एवं जमाखोरी को अपराध घोषित कर कठोर दंड का प्रावधान करता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

यह अधिनियम राज्य को यह अधिकार देता है कि संकट काल में वह किसी वस्तु को 'आवश्यक वस्तु' घोषित कर जमाखोरी को प्रतिबंधित कर सके, साथ ही उसे कम दामों पर जनता को उपलब्ध करा सके। इस रूप में राज्य प्रशासनिक विनियामक के साथ ही सेवा-प्रदाता की भी भूमिका निभाता है।

इसके राज्य प्रशासनिक विनियामक एवं सेवाप्रदाता के रूप में निम्न उपाय भी कर सकता है:-

1. 'आवश्यक वस्तुओं' की गतिशीलता की पर्याप्त मानिटरिंग
2. इस हेतु समर्पित टीमों का गठन
3. कालाबाजारी हेतु जुर्माना व सजा में वृद्धि करना
4. 'नागरिक समाज' व NGOs का सेवा प्रदान करने में सहयोग लेना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You work as a marketing consultant for a multinational company that specializes in various products including nutrient supplements, diet pills etc. The company pays its employees extremely well and provides satisfactory fringe benefits. Your manager has hinted that he will recommend you for overseas company transfer, which will improve your job profile. This has motivated you to work harder and perform better.

The company has to advertise and sell a new weight loss pill 'X'. As per in-company research, it has minimal or no side effects and has no adverse impacts on health, which is its unique selling point (USP). You are given the responsibility of heading the marketing team for advertising pill 'X'. Due to a well-crafted marketing strategy including endorsement by a renowned celebrity, the product has generated considerable public attention. However, while working on an advertisement campaign for the pill, you find out that the in-company research findings of pill 'X' are fabricated. While it indeed has no side-effects, there are no proven benefits of taking the pill as well. It merely acts as a placebo.

When you bring up the issue with your manager, he promptly tells you to keep the facts to yourself. He also indirectly brings up the fact that your performance review date is approaching and hints that you will get transferred overseas if you prove your loyalty to the company.

Based on the given information, address the following:

(a) Identify the stakeholders in this situation.

(b) State the ethical issues that arise in this case.

(c) Discuss your options in this scenario and mention your next step.

(20)

आप पोषक तत्व पूरक आहार, डाइट पिल्स (आहार की गोलियों) आदि सहित विभिन्न उत्पादों में विशेषज्ञता प्राप्त एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के लिए विपणन सलाहकार के रूप में काम करते हैं। कंपनी अपने कर्मचारियों को बहुत अच्छा वेतन देती है और संतोषजनक अतिरिक्त लाभ भी प्रदान करती है। आपके प्रबंधक ने संकेत दिया है कि वह आपकी विदेश में स्थित कंपनी में स्थानांतरण के लिए अनुशंसा करेगा, जिससे आपकी जॉब प्रोफाइल में सुधार होगा। इसने आपको और अधिक मेहनत तथा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।

कंपनी को वजन घटाने वाली एक नई गोली 'X' का विज्ञापन और बिक्री करना है। अंत:-कंपनी अनुसंधान के अनुसार, इसका कम से कम या कोई दुष्प्रभाव नहीं है और इसका स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है, जो इसकी विक्रय की खास खूबी है। आपको गोली 'X' का विज्ञापन करने के लिए विपणन टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है। एक प्रसिद्ध सेलिब्रिटी द्वारा विज्ञापन सहित अच्छी तरह से तैयार की गई विपणन रणनीति के कारण, इस उत्पाद ने जनता का काफी ध्यान आकर्षित किया। हालांकि, इस गोली के लिए एक विज्ञापन अभियान पर काम करते हुए, आपको पता चलता है कि गोली 'X' का अंत:-कंपनी अनुसंधान निष्कर्ष मनगढ़ंत या जाली है। हालांकि, इसका वास्तव में कोई दुष्प्रभाव नहीं है, लेकिन इस गोली का कोई प्रमाणित लाभ भी नहीं है। यह केवल प्रायोगिक औषध के रूप में कार्य करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जब आप यह मुद्दा अपने प्रबंधक के सामने लाते हैं, तो तुरंत आपको तथ्यों को अपने तक सीमित रखने के लिए कहा जाता है। परोक्ष रूप से यह इंगित किया जाता है कि आपके प्रदर्शन की समीक्षा की तारीख निकट आ रही है और संकेत दिया जाता है कि यदि आप कंपनी के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध करेंगे तो आपको विदेश स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

दी गई जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस स्थिति में हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) इस प्रकरण में उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(c) इस परिदृश्य में अपने विकल्पों की विवेचना कीजिए और अपने अगले कदम का उल्लेख कीजिए।

उपरोक्त केस स्टडी में बढ़ते उपभोक्तावाद के दौर में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा लाभ कमाने के नये उपायों, कर्मचारियों की व्यवसायिक हितों एवं विज्ञापन संबंधी नैतिक मुद्दों पर चर्चा करती है।

(a) प्रमुख हितधारक :-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) प्रमुख नैतिक मुद्दे :-

- पूँजीवाद बनाम नैतिकता
- व्यवसायिक हित बनाम सार्वजनिक हित
- निजी हित बनाम सार्वजनिक हित
- "विज्ञापन नैतिकता" से संबंधित मुद्दे

(c) उपलब्ध विकल्प :-

(i) प्रबंधक के कहे अनुसार तथ्यों को अपने तक सीमित रखूं –

सकारात्मक पक्ष :-

→ निजी लाभ → सकारात्मक समीक्षा, विदेश जाने का अवसर
→ व्यवसायिक हित सुरक्षित → कंपनी का लाभ

नकारात्मक पक्ष :-

→ सार्वजनिक नैतिकता के विरुद्ध
→ गैर-कानूनी → उत्पाद के संबंध में "मिथ्या प्रचार"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ निजी नैतिक हास → अपराध-बोध पनप सकता है → मानसिक अशांति

(ii) तथ्यों को सार्वजनिक करूँ और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से शिकायत करूँ।

सकारात्मक पक्ष :-

→ सार्वजनिक हित सुनिश्चित
→ व्यवसायिक नैतिकता के भी अनुरूप
→ व्यक्तिगत संतुष्टि → नैतिक-निर्णय, दायित्वों का पालन
→ कानून का पालन

नकारात्मक पक्ष :-

→ नौकरी गँवानी पड़ेगी
→ व्यक्ति प्रोन्नति से वंचित
→ आर्थिक संकट

इस रूप में मैं विकल्प (ii) का चुनाव करूँगा तथा तथ्यों को सार्वजनिक कर अपने नैतिक व

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कानूनी दायित्वों का पालन करेगा।

ऐसा करने से व्यक्तिगत हानि के बावजूद समाज का व्यापक हित निहित होगा, जो "संविधान के मूल कर्तव्य" भी निर्देशित करते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The COVID-19 pandemic has forced universities, schools and other educational institutions around the world to shut down their campuses indefinitely and move their educational activities onto online platforms. These institutions were not prepared for such a transition and their online teaching-learning process evolved gradually. Though students considered online learning advantageous because of flexibility and convenience, there have been reports that the students prefer learning in physical classrooms to online education. The students feel that online education is stressful and affects their health and social life. Moreover, not all students have equal access to, and expertise on, digital technologies. Although these inequalities existed earlier, the COVID-19 pandemic has exposed this digital divide. Considering yourself as the Chairman of a Committee, constituted by the government, to suggest measures to improve the quality and accessibility of online education, answer the following questions:

(a) What are the key ethical issues at stake here?

(b) Highlight the principles and values that will guide your recommendations to the government.

(c) Suggest measures to improve the quality and accessibility of online education in the country. **(20)**

कोविड-19 महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों, स्कूलों और अन्य शैक्षिक संस्थानों को अनिश्चित काल के लिए अपने परिसरों को बंद करने तथा अपनी शैक्षिक गतिविधियाँ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया है। ये संस्थान इस तरह के संक्रमण के लिए तैयार नहीं थे और उनकी ऑनलाइन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया धीरे-धीरे विकसित हुई। हालांकि, छात्र लचीलेपन और सुविधा के कारण ऑनलाइन लर्निंग को लाभप्रद मानते हैं, लेकिन इस बात की रिपोर्टें आई हैं कि छात्र ऑनलाइन शिक्षा की तुलना भौतिक कक्षाओं में पढ़ना अधिक पसंद करते हैं। छात्रों को लगता है कि ऑनलाइन शिक्षा तनावपूर्ण है और उनके स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। इसके अलावा, सभी छात्रों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच और विशेषज्ञता नहीं है। हालांकि, ये असमानताएं पहले भी मौजूद थीं, लेकिन कोविड-19 महामारी ने इस डिजिटल खाई को उजागर कर दिया है। अपने आप को ऑनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार लाने के उपाय सुझाने के लिए सरकार द्वारा गठित समिति का अध्यक्ष मानते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) यहाँ दांव पर लगे प्रमुख नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) सरकार को की जाने वाली अपनी अनुशंसाओं का मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांतों और मूल्यों पर प्रकाश डालिए।

(c) देश में ऑनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार लाने के उपायों का सुझाव दीजिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रमुख हितधारक :-

- शिक्षण संस्थान
- विद्यार्थी
- निर्धन व वंचित समुदायों के विद्यार्थी
- सरकार
- ऑनलाइन शिक्षा पर गठित 'समिति'
- 'समिति' के अध्यक्ष के रूप में 'मैं'

(a) प्रमुख नैतिक मुद्दे :-

- छात्रों तक शिक्षा की पहुँच
- छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य
- छात्रों के मध्य 'डिजीटल-गैप'
- 'डिजीटल गैप' के कारण के रूप में आर्थिक असमानता, लैंगिक असमानता व शहरी-ग्रामीण असमानता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b.) अनुशंसाओं का मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांत एवं मूल्य :-

(1.) संविधान के मूल्य एवं निर्देश

↳ अनु. 21-A → शिक्षा का अधिकार

↳ अनु. 51A → राज्य के नीति निर्देशक तत्व (अनु. 36 से 51)

(2.) बालकों का शैक्षणिक सर्वांगीण विकास

(3.) वंचित समुदायों के छात्रों एवं बालिकाओं का शैक्षणिक समावेशन
(सामाजिक व लैंगिक समानता → अनु. 15)

(4.) छात्र-छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित हो

(5.) संसाधनों का समुचित व समान वितरण
(नीति-निदेशक तत्व)

↳ अतः डिजीटल संसाधनों का समान वितरण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c.) प्रमुख उपाय :-

(1.) डिजीटल अवसंरचना का विकास

(2.) सरकारी विद्यालयों में डिजीटल-प्रौद्योगिकी व उपकरणों की उपलब्धता

(3.) डिजीटली-प्रशिक्षित गुणवत्तायुक्त शिक्षकों का कैडर तैयार करना

(4.) "निजी डेटा प्रोवाईडर" एवं "टेक कंपनियों" को CSR प्रावधानों के अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में लाना

(5.) ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुँच सुनिश्चित करना

(6.) डिजीटल साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु PMGDISHA की तर्ज पर स्कूली छात्रों हेतु समर्पित अभियान

(7.) छात्रों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विनियामक तंत्र एवं पर्याप्त हस्तक्षेपी उपाय करना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस रूप में ऑनलाईन व ऑफलाईन शिक्षा - स्वरूपों का संयोजन अब आवश्यक है, ताकि छात्र-छात्राओं की शिक्षा प्रभावित न हो। साथ ही उनकी ऑनलाईन सुरक्षा का मुद्दा अत्यंत संवेदनशील है अतः इसे भी सुनिश्चित किया जाना चाहिये।